सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

स्किल इंडिया ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में पीएमकेवीवाय 3.0 के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिये अनूठी क्षेत्रीय कार्यशाला का संचालन किया

गंगटोक, 8 अप्रैल, 2021: पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के युवाओं की उत्पादनशीलता बढ़ाने और देश के विकास में योगदान देने के लिये उन्हें उद्योग-संबद्ध कुशलताओं से सशक्त करने के लक्ष्य से कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने आज गंगटोक, सिक्किम में एक कार्यशाला का संचालन किया। यह प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाय) 3.0 के लिये अपने प्रकार की पहली क्षेत्रीय कार्यशाला थी। इस कार्यशाला में सभी आठ राज्यों- सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड और त्रिपुरा के स्टेट स्किल डेवलपमेंट मिशंस (एसएसडीएम) और डिस्ट्रिक्ट स्किल कमेटीज (डीएससी) के प्रमुख कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों से सीखने, पीएमकेवीवाय 3.0 से सम्बंधित चुनौतियों को समझने और तकनीकी प्लेटफॉर्म

स्किल इंडिया पोर्टल (एसआईपी) के इस्तेमाल की विस्तृत समझ विकसित करने पर लक्षित इस कार्यशाला में केन्द्र और राज्य सरकार के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में भाग लेकर इसकी शोभा बढ़ाने वाले प्रतिष्ठित उच्चाधिकारी थे- श्री सतीश चंद्र राय, सलाहकार, कौशल विकास विभाग, सिक्किम राज्य; श्री प्रवीण कुमार, सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई); श्री अतुल कुमार तिवारी, अतिरिक्त सचिव, एमएसडीई; डॉ. मनीष कुमार, एमडी एवं सीईओ, एनएसडीसी; श्री संजीव कुमार, संयुक्त निदेशक (कौशल विकास), एमएसडीई; श्रीमती गंगा देवी प्रधान, सचिव, कौशल विकास विभाग, सिक्किम सरकार आदि। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) भी इस कार्यशाला में मौजूद रहे।

अपने विचार साझा करते हुए, **एमएसडीई के सचिव श्री प्रवीण कुमार** ने कहा, *''हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक्ट ईस्ट' विजन के अंतर्गत, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। आज की वर्कशॉप एनईआर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के अनुरूप है। इस वर्कशॉप की कल्पना पीएमकेवीवाय 3.0 के तहत सभी आठ राज्यों में कौशल विकास के प्रयासों का दायरा और प्रभाव बढ़ाने के लिए की गई है। इसकी मदद से पूर्वोत्तर भारत में युवा भविष्य की नौकरियों हेतु उद्योग के लिए तैयार बनने में सशक्त होंगे। आज की चर्चा स्थानीय अधिकारियों के सामने आने वाली बाधाओं को समझने में भी महत्वपूर्ण थी और इससे मिली सीख एक ज्यादा बेहतर पीएमकेवीवाय 4.0 स्कीम विकसित करने में हमारी मदद करेगी।''*

इंडस्ट्री 4.0 के अनुसार भविष्य के लिये प्रासंगिक कुशलताएं देने, एनईआर के युवाओं को आजीविका के स्थायी अवसरों की खोज के लिये समर्थ बनाने और सरकार की 'वोकल फॉर लोकल' स्कीम को बढ़ावा देने के लिये पर्याप्त ध्यान देना जरूरी है। केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच एक रचनात्मक संवाद देश में कौशल विकास की सभी पहलों के समन्वय का आधार है। पीएमकेवीवाय 3.0 'बॉटम-अप' एप्रोच के आधार पर राज्यों और जिलों की बढ़ती भागीदारी के साथ प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में एक मौलिक बदलाव दर्शाती है। विभिन्न सेक्टरों की तेजी से बदल रही जरूरतों के अनुकूल बनने में मांग पर आधारित प्रशिक्षण के लक्ष्य का बेहतर आवंटन पीएमकेवीवाय 3.0 के अंतर्गत एनईआर के युवाओं की आकांक्षाएं पूरी करने में मददगार होगा।

भारत सरकार के कौशल विकास विभाग की सचिव श्रीमती गंगा देवी प्रधान ने कहा, *''"पूर्वोत्तर राज्य प्राकृतिक और कृषि-जलवायु संसाधनों, विविधतापूर्ण संस्कृति और स्थानीय व्यापार के संदर्भ में समृद्ध हैं और इसलिये पीएमकेवीवाय 3.0 के योजनाबद्ध कार्यान्वयन के लिये एसएसडीएम और डीएससी का सहयोग जरूरी है। इस कार्यशाला ने दिखाया है कि उनके इनपुट्स और जानकारियां इस*

योजना की सफलता में अनिवार्य भूमिका निभाएंगी। इसलिये हम सभी की शक्तियों का मिलना और सरकार के प्रयासों को सहयोग देना महत्वपूर्ण है, ताकि न केवल एनईआर की कला, शिल्प और संस्कृति को बढ़ावा मिले, बल्कि एक लोचशील एवं अनुकूल कार्यबल तैयार करने के लिए स्किलिंग इकोसिस्टम में भी तेजी लाई जा सके।"

पीएमकेवीवाय 3.0 पर एक दिन की इस कार्यशाला के दौरान इन पहलों के भीतर की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रम, प्रबंधन संरचनाओं और प्रक्रियाओं, समृद्ध अवसंरचना और स्थानीय भाषाओं पर चर्चा हुई। सेशन के दौरान सभी आठ राज्यों की टीमों के साथ एक व्यापक चर्चा हुई, जिसमें राज्य–अधिकारियों ने अपने महत्वपूर्ण इनपुट्स दिये, अपनी बाधाएं बताईं और उद्योग-संबद्ध कुशलताएं पाने में युवाओं की मदद करने की प्रतिबद्धता दोहराई, ताकि वे भविष्य की नौकरियों के लिये तैयार हो सकें। इसके अलावा, पीएमकेवीवाय 3.0 के साथ अन्य योजनाओं के सम्मिलन पर मंत्रणा हुई, जैसे नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), आईटीआई, आदि। पीएमकेवीवाय 1.0 और पीएमकेवीवाय 2.0 के अंतर्गत देश के उन्नत और मानकीकृत स्किलिंग इकोसिस्टम के माध्यम से 1.21 करोड़ से ज्यादा युवाओं का सफल विकास हुआ है।

इस कार्यशाला में सभी आठ राज्यों के डीएससी के साथ बातचीत भी हुई, जो कार्यशाला में वर्चुअली मौजूद थे। एसएसडीएम और डीएससी, दोनों ने पीएमकेवीवाय 4.0 के लिये अपने सुझाव भी दिये, जिन्हें एमएसडीई के अतिरिक्त सचिव और उनकी टीम ने पसंद किया। इस कार्यशाला की सफलता के बाद, आने वाले महीनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी और कार्यशालाएं होंगी। योजना को चलाने के लिये एसएसडीएम और डीएससी जरूरी हैं और उनके इनपुट्स तथा चुनौतियों की समझ पीएमकेवीवाय 3.0 के प्रभावी संचालन और एक बेहतर पीएमकेवीवाय 4.0 स्कीम विकसित करने के लिये महत्वपूर्ण हैं।

<u>कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के बारे में</u>

एमएसडीई का गठन 9 नवंबर, 2014 को भारत सरकार ने कुशलताओं की रोजगारपरकता को बढ़ाने पर ध्यान देने के लिये किया था। अपनी शुरूआत के बाद से ही एमएसडीई ने नीति, रूपरेखा और मानकों के निर्माण के संदर्भ में महत्वपूर्ण पहलें और सुधार किये हैं; नये कार्यक्रम और योजनाएं लॉन्च की हैं; नया बुनियादी ढांचा बनाया है और मौजूदा संस्थानों को अपग्रेड किया है; राज्यों के साथ भागीदारी की है; उद्योगों के साथ काम किया है और कुशलताओं के लिये सामाजिक स्वीकार्यता और आकांक्षाओं का निर्माण किया है। मंत्रालय का लक्ष्य कुशल श्रमशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर दूर करना है, ताकि नई कुशलताएं और नवाचार केवल मौजूदा नौकरियों के लिये नहीं, बल्कि उन नौकरियों के

लि□ये भी हों, जो भविष्य में आने वाली हैं। अभी तक स्किल इंडिया के तहत 5.5 करोड़ लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। अपने प्रमुख प्रोग्राम, पीएमकेवीवाय 1.0 और पीएमकेवीवाय 2.0 में देश के बेहतर और मानकीकृत कुशलता पारिस्थितिक तंत्र के माध्यम से 1.21 करोड़ युवाओं का सफल प्रशिक्षण हुआ है।

कौशल विकास पर अधिक जानकारी के लिए, देखें -

फेसबुक: www.facebook.com/SkillIndiaOfficial;

ट्विटर: @MSDESkillIndia

यूट्यूब: https://www.youtube.com/channel/UCzNfVNX5yLEUhIRNZJKniHg